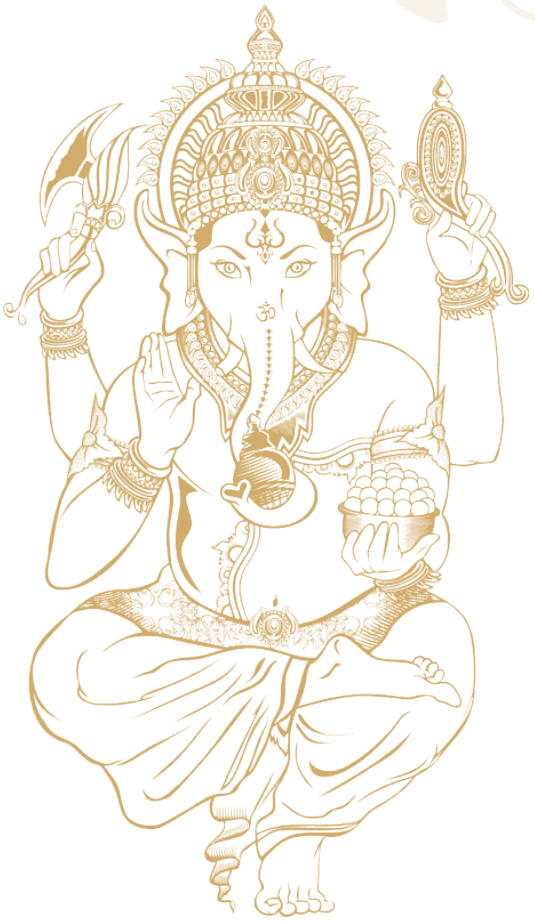

Khimraj

11 Apr 2026

07:28 PM

Balotra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121901104

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/04/2026**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**19:28:00 घंटे**
इष्ट	32:44:47 घटी
स्थान	**Balotra**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:50:00 उत्तर
रेखांश	72:21:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:40:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:47:24 घंटे
वेलान्तर	-00:01:05 घंटे
साम्पातिक काल	08:06:36 घंटे
सूर्योदय	06:22:05 घंटे
सूर्यास्त	19:01:44 घंटे
दिनमान	12:39:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	27:27:48 मीन
लग्न के अंश	04:05:51 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	साध्य
करण	गर
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खी-खिलावन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	04:05:51	319:04:31	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			मीन	27:27:48	00:58:53	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मक	12:59:42	12:25:16	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	सम राशि
मंगल		अ	मीन	07:08:54	00:46:41	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	मित्र राशि
बुध			मीन	00:58:13	01:17:32	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	नीच राशि
गुरु			मिथु	22:24:04	00:05:39	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	20:24:36	01:13:29	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	सम राशि
शनि		अ	मीन	12:37:43	00:07:20	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
राहु			कुंभ	13:51:09	00:01:46	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु			सिंह	13:51:09	00:01:46	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	05:01:29	00:02:56	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	08:22:10	00:02:11	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
प्लूटो			मक	11:08:16	00:00:42	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	05:15:54	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:33

लग्न-चलित

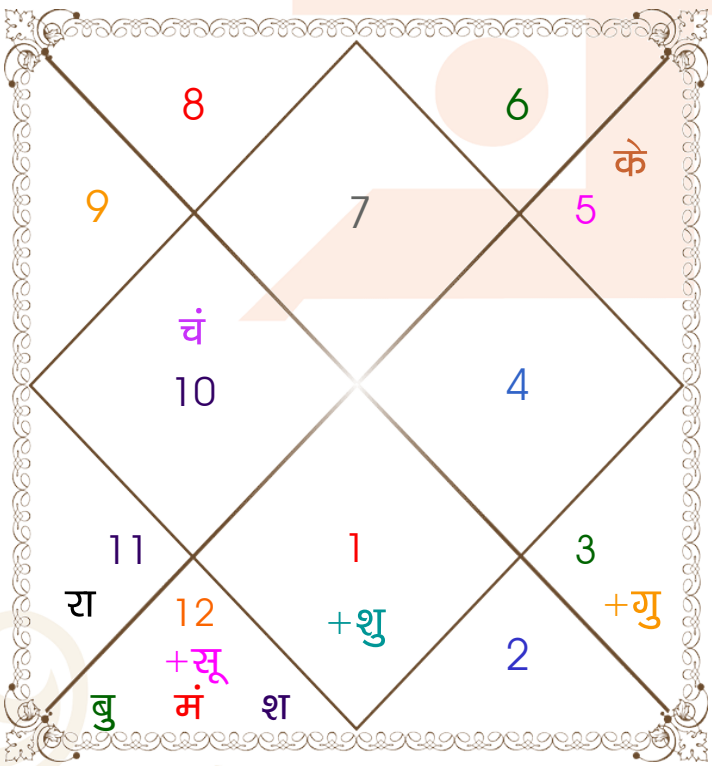

चन्द्र कुंडली

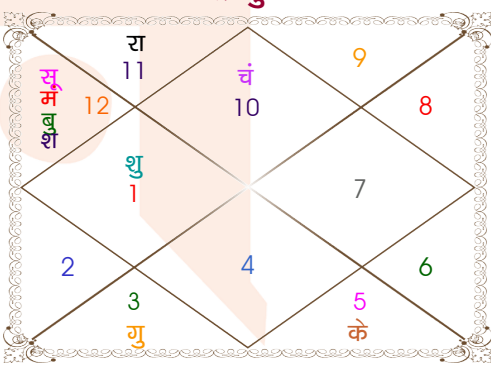

नवमांश कुंडली

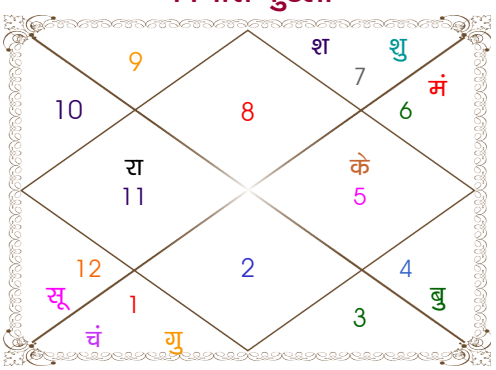

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 7 वर्ष 9 मास 1 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
11/04/2026		11/01/2034		11/01/2041		12/01/2059		12/01/2075	
11/01/2034		11/01/2041		12/01/2059		12/01/2075		11/01/2094	
	00/00/0000	मंगल	10/06/2034	राहु	24/09/2043	गुरु	01/03/2061	शनि	14/01/2078
	11/04/2026	राहु	28/06/2035	गुरु	17/02/2046	शनि	12/09/2063	बुध	24/09/2080
राहु	12/12/2026	गुरु	03/06/2036	शनि	24/12/2048	बुध	18/12/2065	केतु	02/11/2081
गुरु	12/04/2028	शनि	13/07/2037	बुध	13/07/2051	केतु	24/11/2066	शुक्र	02/01/2085
शनि	12/11/2029	बुध	10/07/2038	केतु	31/07/2052	शुक्र	25/07/2069	सूर्य	15/12/2085
बुध	13/04/2031	केतु	06/12/2038	शुक्र	01/08/2055	सूर्य	13/05/2070	चंद्र	16/07/2087
केतु	12/11/2031	शुक्र	05/02/2040	सूर्य	24/06/2056	चंद्र	12/09/2071	मंगल	24/08/2088
शुक्र	13/07/2033	सूर्य	12/06/2040	चंद्र	24/12/2057	मंगल	18/08/2072	राहु	01/07/2091
सूर्य	11/01/2034	चंद्र	11/01/2041	मंगल	12/01/2059	राहु	12/01/2075	गुरु	11/01/2094

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
11/01/2094		13/01/2111		12/01/2118		12/01/2138		13/01/2144	
13/01/2111		12/01/2118		12/01/2138		13/01/2144		00/00/0000	
बुध	09/06/2096	केतु	11/06/2111	शुक्र	14/05/2121	सूर्य	02/05/2138	चंद्र	12/11/2144
केतु	06/06/2097	शुक्र	10/08/2112	सूर्य	14/05/2122	चंद्र	01/11/2138	मंगल	13/06/2145
शुक्र	07/04/2100	सूर्य	16/12/2112	चंद्र	13/01/2124	मंगल	08/03/2139	राहु	12/04/2146
सूर्य	12/02/2101	चंद्र	17/07/2113	मंगल	14/03/2125	राहु	31/01/2140		00/00/0000
चंद्र	14/07/2102	मंगल	13/12/2113	राहु	14/03/2128	गुरु	18/11/2140		00/00/0000
मंगल	11/07/2103	राहु	31/12/2114	गुरु	13/11/2130	शनि	31/10/2141		00/00/0000
राहु	28/01/2106	गुरु	07/12/2115	शनि	12/01/2134	बुध	07/09/2142		00/00/0000
गुरु	04/05/2108	शनि	15/01/2117	बुध	12/11/2136	केतु	13/01/2143		00/00/0000
शनि	13/01/2111	बुध	12/01/2118	केतु	12/01/2138	शुक्र	13/01/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 7 वर्ष 8 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।